उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है जो सोवत है सो खोवत है, जो जगत है सोई पावत है Bhajans Bhakti Songs

उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है
जो सोवत है सो खोवत है, जो जगत है सोई पावत है

टुक नींद से अखियाँ खोल जरा, और अपने प्रभु में ध्यान लगा
यह प्रीत कारन की रीत नहीं, रब जागत है तू सोवत है
उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है....

जो कल करना सो आज करले , जो आज करे सो अभी करले
जब चिड़िया ने चुग खेत लिया, फिर पश्त्यते क्या होवत है
उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है....

नादान भुगत अपनी करनी, ऐ पापी पाप मै चैन कहाँ
जब पाप की गठड़ी सीस धरी, अब सीस पकड़ क्यूँ रोवत है ॥
उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है....

उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है

जो सोवत है सो खोवत है, जो जगत है सोई पावत है

Source:
https://www.bharattemples.com/uth-jaag-musaaphir-bhor-bhee-ab-rain-kahaan-jo-sovat-hai-jo-sovat-hai-so-khovat-hai-jo-jagat-hai-soee-paavat-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw